

## भारत-ब्रिटन संबंधों के बीच अंतराल को कम करना

यह एडिटरियल 19/01/2024 को 'द हट्टि' में प्रकाशित ["Crafting a new phase in India-UK defence ties"](#) लेख पर आधारित है। इसमें भारतीय रक्षा मंत्री की यूके यात्रा के बारे में चर्चा की गई है जो दोनों देशों को 'भारत-यूके इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन क्षमता साझेदारी' के रूप में एक संयुक्त नौसैनिक दृष्टिकोण के लिये नई योजनाएँ बनाने हेतु वृहत् अवसर प्रदान करता है। इसमें भारत-यूके संबंधों के अन्य समकालीन पहलुओं पर भी विचार किया गया है।

### प्रलमिस के लिये:

भारत-ब्रिटन मुक्त व्यापार समझौता वार्ता, [भारत-ब्रिटन मुक्त व्यापार समझौता \(FTA\)](#), [यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ \(EFTA\)](#), [बौद्धिक संपदा अधिकार \(IPR\)](#), [संचार के समुद्री मार्ग \(SLOCs\)](#), पीपुल्स लबिरेशन आरमी नेवी (PLAN), रॉयल नेवी (RN), भारत-यूके इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन क्षमता साझेदारी, [हृदि महासागर क्षेत्र \(IOR\)](#)।

### मेन्स के लिये:

यूके के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध, भारत-यूके FTAs और इसका महत्त्व।

भारत के रक्षा मंत्री ने हाल ही में 22 वर्ष के अंतराल के बाद यूनाइटेड किंगडम (UK) का दौरा किया, जो राजनयिक संलाग्नताओं में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। पिछले दो दशकों में अवसरों में वृद्धि देखी गई है, जो मुख्य रूप से चीनी सैन्य शक्त की वृद्धि और [हृदि महासागर](#) में इसके वसितार से प्रेरित है, जिससे भारत के लिये और यूके के लिये महत्त्वपूर्ण [समुद्री संचार मार्गों \(Sea Lines of Communications- SLOCs\)](#) को खतरा पैदा हो गया है।

## यूके के साथ भारत के संबंधों में हालिया घटनाक्रम क्या रहे हैं?

- [यूक्रेन संकट](#) से उत्पन्न चुनौती के बावजूद, भारत-ब्रिटन संबंध में वृद्धि हुई है, जिसकी पुष्टि वर्ष 2021 में संपन्न [व्यापक रणनीतिक साझेदारी \(Comprehensive Strategic Partnership\)](#) से होती है।
  - इस समझौते ने [भारत-ब्रिटन संबंधों के लिये रोडमैप 2030](#) भी स्थापित किया, जो मुख्य रूप से द्विपक्षीय संबंधों के लिये साझेदारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार करता है।
- दोनों देशों ने रक्षा-संबंधी व्यापार और [साइबर सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग](#) को गहन करने की दिशा में वार्ता की है।
  - भारत और यूके में ऑनलाइन अवसरचना की सुरक्षा के लिये एक नए संयुक्त साइबर सुरक्षा कार्यक्रम की घोषणा की जाने वाली है।
  - भारत और यूके [पहले रणनीतिक तकनीकी संवाद \(Strategic Tech Dialogue\)](#) की भी योजना रखते हैं जो उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक मंत्रीस्तरीय शिखर सम्मेलन होगा।
- इसके अतिरिक्त, यूके और भारत समुद्री क्षेत्र में अपने सहयोग को मज़बूत करने पर सहमत हुए हैं क्योंकि [भारत की हृदि-प्रशांत महासागर पहल](#) में शामिल हो रहा है और दक्षिण पूर्व एशिया में समुद्री सुरक्षा मुद्दों पर एक प्रमुख भागीदार बनेगा।

## भारत-यूके भागीदारी क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **यूके के लिये:**
  - [हृदि-प्रशांत क्षेत्र](#) में बाज़ार हसिसेदारी और रक्षा, दोनों मामले में भारत यूके के लिये एक प्रमुख रणनीतिक भागीदार है, जैसा कि वर्ष 2015 में भारत और यूके के बीच रक्षा एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा भागीदारी पर हस्ताक्षर द्वारा रेखांकित किया गया था।
  - भारत के साथ [मुक्त व्यापार समझौता \(FTA\)](#) संपन्न होने से यूके की 'ग्लोबल ब्रिटन' महत्त्वकांक्षाओं को बढ़ावा मल्लिगा, जहाँ यूके 'ब्रेग्जिट' (Brexit) के बाद से यूरोप से परे भी अपने बाज़ारों के वसितार की इच्छा रखता है।
  - ब्रिटन एक गंभीर वैश्विक खिलाड़ी के रूप में वैश्विक मंच पर अपनी जगह पक्की करने के लिये हृदि-प्रशांत क्षेत्र की विकास करती अर्थव्यवस्थाओं में अवसरों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है।
    - भारत के साथ अच्छे द्विपक्षीय संबंधों से ब्रिटन इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु बेहतर स्थिति में होगा।
- **भारत के लिये:**
  - यूके हृदि-प्रशांत में एक क्षेत्रीय शक्ति है, जहाँ पर [ओमान, सगिापुर, बहरीन, केन्या और हृदि महासागर के ब्रिटिश क्षेत्रों में इसका नौसैनिक प्रभाव है।](#)

- यूके ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग का समर्थन करने के लिये 70 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रिटिश अंतरराष्ट्रीय नविश वित्तपोषण की भी पुष्टि की है।
  - इस वित्तपोषण से क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना के निर्माण और सौर ऊर्जा के विकास में मदद मिलेगी।
- भारत ने श्रम-गहन नरियातों के लिये शुल्क रियायत के अलावा भारतीय मातृसिद्धि, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि उत्पादों के लिये सुगम बाज़ार पहुँच की मांग की है।



//

## भारत-यूके संबंधों को बढ़ावा देने में अन्य देशों की क्या भूमिका है?

- **यूएसए:** भारत और यूके के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बदलने में संयुक्त राज्य अमेरिका केंद्रीय भूमिका रखता है। अमेरिका द्वारा भारत को एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति और हृदि-प्रशांत में एक महत्त्वपूर्ण भागीदार के रूप में मान्यता देने से यूके भी भारत की ओर आकर्षित हुआ।
  - यह अमेरिका ही था जसिने सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में भारत के तेज़ी से बढ़ते सापेक्षिक महत्त्व को पहचाना।
  - 20वीं सदी के अंत में अमेरिका ने इस दृष्टिकोण के साथ भारत के उत्थान में सहायता करने की एक नीतिका अनावरण किया कएक मज़बूत

भारत एशिया और विश्व में अमेरिकी हतियों की पूर्तिकरेगा ।

- **चीन:** अमेरिका के लिये, भारत के उत्थान में सहायता करने की रणनीतिक प्रतबिद्धता चीन के प्रभुत्व वाले एशिया में नहित खतरों की पहचान करने से संलग्न थी ।
  - पछिले दो दशकों में यूके और चीन ने उत्कृष्ट द्वपिक्षीय संबंध साझा किये जहाँ पछिले दशक को वर्ष 2015 में चीन के साथ संबंधों का 'स्वर्णमि दशक' घोषित किया गया ।
  - हालाँकि, **चीन की वसितारवादी नीतियों (Chinese expansionist policies)** और चीनी शक्ति के साथ अमेरिका के टकराव के कारण यूके ने भारत के साथ एक बार फिर एक महत्त्वपूर्ण भागीदार के रूप में अपना **'हिंदि-प्रशांत झुकाव' (Indo-Pacific tilt)** प्रदर्शित किया है ।

## यूके के साथ रक्षा संबंधों से भारतीय नौसेना को किस प्रकार लाभ प्राप्त हो सकता है?

- **भारतीय नौसेना की क्षमता आवश्यकताएँ और रणनीतिक प्राथमिकताएँ:**
  - चीन की पीपुल्स लबिरेशन आरमी नेवी (PLAN) की तुलना में भारतीय नौसेना को क्षमता-संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ।
  - भारतीय रक्षा मंत्रि की यूके यात्रा इन कमियों को दूर करने पर केंद्रित थी, विशेष रूप से चीनी सैन्य शक्ति की तुलना में तकनीकी अंतराल को दूर करने के लिये यूके से प्रमुख प्रौद्योगिकियों प्राप्त करने के लिये ।
  - हिंद महासागर में उभरते रणनीतिक परदृश्य ने दोनों देशों को अपनी प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिये प्रेरित किया है ।
- **वदियुत प्रणोदन प्रौद्योगिकी:**
  - **भारत-यूके वदियुत प्रणोदन क्षमता साझेदारी की स्थापना:**
    - फरवरी 2023 में 'भारत-यूके वदियुत प्रणोदन क्षमता साझेदारी' (India-UK Electric Propulsion Capability Partnership) नामक एक संयुक्त कार्यसमूह की स्थापना की गई ।
    - इसके बाद की चर्चाएँ तकनीकी जानकारी को स्थानांतरित करने और समुद्री वदियुत प्रणोदन में रॉयल नेवी के अनुभव को साझा करने पर केंद्रित रही ।
  - **वमिान वाहकों के लिये EPT में सहयोग:**
    - भारत-ब्रिटन सहयोग के एक प्रमुख पहलू में वमिान वाहक के लिये **वदियुत प्रणोदन प्रौद्योगिकी शामिल है ।**
      - भारतीय नौसेना के पास वर्तमान में इस प्रौद्योगिकी का अभाव है, जबकि रॉयल नेवी के क्वीन एलजाबेथ क्लास वाहक वदियुत प्रणोदन का उपयोग करते हैं ।
      - इस साझेदारी का उद्देश्य इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में भारतीय नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने के लिये ब्रिटिश विशेषज्ञता का लाभ उठाना है ।
        - जबकि PLAN को इस प्रौद्योगिकी को अपनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, चीनी युद्धपोतों में इसे शामिल करने के संकेत प्राप्त हुए हैं ।
    - **वदियुत प्रणोदन का रणनीतिक महत्त्व:**
      - भारतीय नौसेना EPT के लाभों को देखते हुए इसे प्राप्त करने में पीछे नहीं रहने के महत्त्व को समझती है ।
      - इस क्षमता से लैस युद्धपोत नमिन एकोस्टिक सिग्नेचर और उन्नत वदियुत ऊर्जा उत्पादन प्रदान करते हैं, जो समुद्री परिचालन में रणनीतिक बढत प्रदान करते हैं ।
    - **साझेदारी की प्रगति और भविष्य की योजनाएँ:**
      - नवंबर 2023 में इस साझेदारी में प्रगति हुई जहाँ भारतीय नौसेना के भविष्य के युद्धपोतों में EPT के एकीकरण पर चर्चा की जा रही है ।
        - यूके प्रशिक्षण देने, उपकरण प्रदान करने और आवश्यक अवसंरचना की स्थापना में सहायता देने के लिये प्रतबिद्ध है ।
      - आरंभिक परीक्षण प्लेटफॉर्म डॉक की लैंडिंग पर किये जाने की उम्मीद है, जिसके बाद 6000 टन से अधिक के वसि्थापन वाले सतही जहाजों पर इसका परीक्षण किया जाएगा ।

## भारत-यूके संबंधों में वदियमान चुनौतियाँ कौन-सी हैं?

- **भारत-ब्रिटन संबंधों में ऐतिहासिक वसि्धाभास:**
  - ब्रिटन के साथ भारत के उत्तर-औपनिवेशिक संबंधों को वसि्धाभासों और दीर्घकालिक असंतोष से चहिनति किया जाता है ।
  - भारतीय उपमहाद्वीप में विशेष भूमिका के ब्रिटन के अनुचित दावे ने लगातार टकराव को बढ़ावा दिया है ।
  - भारत वभिजन और शीत युद्ध के परिणामों ने दोनों देशों के बीच स्थायी साझेदारी स्थापित करने के प्रयासों को और जटिल बना दिया ।
- **भारत-ब्रिटन द्वपिक्षीय संबंधों पर पाकसि्तान का प्रभाव:**
  - ब्रिटन के साथ भारत के द्वपिक्षीय संबंधों में पाकसि्तान एक महत्त्वपूर्ण बाधा बनकर उभरा है ।
    - पाकसि्तान के लिये ब्रिटन की ऐतिहासिक पक्ष-समर्थन भारत के लिये चिंताएँ बढ़ाती है, विशेष रूप से जबकि विह भारत के प्रतनि ए उत्साह और पाकसि्तान के साथ ऐतिहासिक संबंधों के बीच फँसा हुआ है ।
    - अमेरिका और फ्रांस के वपिरीत, ब्रिटन दक्षिण एशिया में स्पष्ट 'इंडिया फ्रस्ट' की रणनीति अपनाने में संघर्षरत रहा है ।
- **भारत-ब्रिटन संबंधों में बदलती गतिशीलता:**
  - हाल की कषेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल ने भारत और यूके के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी संलग्नता के लिये एक नई नीव प्रदान की है ।
  - ब्रिटन की आंतरिक गतिशीलता, जिसमें राजनीतिक नषिटाएँ और ऐतिहासिक पूर्वाग्रह शामिल हैं, ने कई बार भारत के साथ उसके संबंधों में तनाव पैदा किया है ।

- भारत द्वारा ब्रिटेन से कोहिनूर की मांग और [जलयियांवाला बाग नरसंहार](#) के लिये ब्रिटिश प्रधानमंत्री द्वारा माफी मांगने से इनकार करने जैसी बातों ने इन तनावों में योगदान दिया है।
- **भारतीय आर्थिक अपराधियों का प्रत्यर्पण:**
  - यह मुद्दा उन [भारतीय आर्थिक अपराधियों](#) के प्रत्यर्पण से संबंधित है जो वर्तमान में ब्रिटेन में शरण ले रहे हैं और कानूनी प्रणाली का उपयोग अपने लाभ के लिये कर रहे हैं।
  - कुछ आर्थिक अपराधियों ने लंबे समय से ब्रिटिश प्रणाली के तहत शरण ले रखी है, जबकि उनके वरिष्ठ स्पष्ट भारतीय केस मौजूद हैं जहाँ उनके प्रत्यर्पण की आवश्यकता है।
- **राजनीतिक संबद्धताएँ और आंतरिक मामले:**
  - भारत के प्रतिलेबर पार्टी की समानुभूत और कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ-भाव के संबंध में दलिली की धारणाएँ गलत साबित हुई हैं।
  - लेबर पार्टी, जिसे पारंपरिक रूप से भारत के प्रतिसहानुभूतपूरण माना जाता है, ने [कश्मीर](#) जैसे आंतरिक मामलों पर भारत के प्रतिसत्तुता प्रदर्शित की है।
  - राजनीतिक गतिशीलता में यह अप्रत्याशित बदलाव समग्र भारत-ब्रिटेन संबंधों में जटिलता का योग करता है।

## भारत-यूके संबंधों को बेहतर बनाने के लिये कौन-से कदम उठाये जा सकते हैं?

- **प्रवासन और परविहन संबंधी साझेदारी:**
  - **प्रवासन और परविहन संबंधी साझेदारी (migration and mobility partnership)** का कार्यान्वयन, जो यूके की नई कौशल आधारित आप्रवासन नीतिको ध्यान में रखते हुए छात्रों और पेशेवरों के आवागमन के साथ-साथ अनियमित प्रवासन को कवर करता है, समय की मांग है।
  - इसमें प्रतिवर्ष 3,000 युवा भारतीय पेशेवरों को यूके आने की अनुमति देने के लिये एक युवा पेशेवर योजना शामिल होनी चाहिये।
- **जलवायु परिवर्तन पर सहयोग:**
  - **जलवायु परिवर्तन** पर द्विपक्षीय संवाद और साझेदारी को सशक्त करने की आवश्यकता है। इसमें मंत्रीस्तरीय ऊर्जा वार्ता और जलवायु, बजिली एवं नवीकरणीय ऊर्जा पर संयुक्त कार्यसमूह स्थापित करना शामिल है।
- **भारत-यूके स्वास्थ्य साझेदारी:**
  - वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा के संवर्द्धन और महामारी प्रत्यास्थता के साथ ही [रोगानुरोधी प्रतिसिध \(AMR\)](#) पर नेतृत्व के प्रदर्शन के लिये दोनों देशों को भारत-यूके स्वास्थ्य साझेदारी के व्यापक वसितार करने की आवश्यकता है।
  - उन्हें स्वस्थ समाजों को भी बढ़ावा देना चाहिये और नैदानिक शिक्षा, स्वास्थ्य कार्यकर्ता गत्यात्मकता और डिजिटल स्वास्थ्य पर सहयोग बढ़ाकर दोनों देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करना चाहिये।
- **यूके-भारत वजिज्ञान और नवाचार परिषद:**
  - दोनों देशों के वजिज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार सहयोग के लिये एजेंडा निर्धारित करने के लिये एक द्विविर्षिकी मंत्रस्तरीय **यूके-भारत वजिज्ञान और नवाचार परिषद** की स्थापना से संबंधों में सुधार होगा।
  - व्यापक-साझा प्राथमिकताओं के साथ संरेखित होने और भागीदारी में योगदान करने के लिये भारत में यूके वजिज्ञान एवं नवाचार नेटवर्क का होना अत्यंत आवश्यक है।
- **वशिव व्यापार संगठन में सहयोग:**
  - दोनों देशों को [वशिव व्यापार संगठन \(WTO\)](#) में 'बहुपक्षीय प्रणाली में आत्म-वशिवस और भरोसे की बहाली सहित साझा लक्ष्यों' पर सहयोग को गहरा करना चाहिये।
- **भारत-ब्रिटेन असैन्य परमाणु सहयोग:**
  - भारत-यूके असैन्य परमाणु सहयोग को सशक्त करने की इच्छा की पुष्टि करना, जिसमें भारत के 'ग्लोबल सेंटर फॉर न्यूक्लियर एनर्जी पार्टनरशिप' के साथ यूके का 'नवीनीकृत सहयोग' भी शामिल है, संबंधों को बढ़ावा दे सकता है।

## नषिकर्ष:

भारतीय रक्षा मंत्री की हालिया यूके यात्रा भारत-यूके संबंधों में एक महत्त्वपूर्ण क्षण का प्रतीक है, जो उभरते रणनीतिक परिदृश्य को उजागर करता है **चीन के सैन्य वसितार, वशिवकर हृदि महासागर में, से उत्पन्न खतरे ने दोनों देशों को भारत की रक्षा प्रौद्योगिकी संबंधी कमियों को दूर करने के लिये सहयोग हेतु प्रेरित किया है।** वदियुत प्रणोदन प्रौद्योगिकी सहयोग का एक प्रमुख क्षेत्र है जो भारत के लिये चीन के साथ समुद्री प्रौद्योगिकी समानता बनाए रखने हेतु महत्त्वपूर्ण है। वरिसत संबंधी मुद्दों और भू-राजनीतिक जटिलताओं सहित विभिन्न ऐतिहासिक चुनौतियों के बावजूद, दोनों देश साझा सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए घनषिठ संबंध निर्माण की अनविार्यता को समझते हैं।

**अभ्यास प्रश्न:** वशिव रूप से रक्षा और समुद्री प्रौद्योगिकी में हाल की प्रगतियों, रणनीतिक अनविार्यताओं और सहयोगात्मक पहलों पर बल देते हुए भारत-यूके संबंधों की उभरती गतिशीलता की चर्चा कीजिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

**??????????:**

नमिनलखित देशों पर वचिर कीजिये: (2014)

1. डेनमार्क
2. जापान
3. रूसी संघ
4. यूनाइटेड किंगडम
5. संयुक्त राज्य अमेरिका

उपरोक्त में से कौन 'आर्कटिक परिषद' के सदस्य हैं?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2, 3 और 4
- (c) 1, 4 और 5
- (d) 1, 3 और 5

उत्तर: (d)

प्रश्न. हमने ब्रिटिश मॉडल के आधार पर संसदीय लोकतंत्र को अपनाया, लेकिन हमारा मॉडल उस मॉडल से कैसे अलग है?(2021)

1. कानून के संबंध में, ब्रिटिश संसद सर्वोच्च या संप्रभु है लेकिन भारत में, संसद की कानून बनाने की शक्ति सीमित है।
2. भारत में, संसद के एक अधिनियम के संशोधन की संवैधानिकता से संबंधित मामलों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संवधान पीठ को भेजा जाता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

**??????:**

प्रश्न: भारत और ब्रिटन की न्यायिक व्यवस्था हाल के दिनों में अभिसरण के साथ-साथ अलग-अलग होती देखि रही है। न्यायिक प्रथाओं के संदर्भ में दोनों देशों के बीच अभिसरण एवं वचिलन के प्रमुख बटुओं पर प्रकाश डालिये। ( 2020)